

प्रेषक,  
विनोद फोनिया,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,  
निदेशक,  
पशुपालन विभाग,  
उत्तराखण्ड देहरादून।

पशुपालन अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 28 मई, 2010

विषय: अटल आदर्श ग्राम योजनान्तर्गत पशुसेवा केन्द्रों की स्थापना हेतु पदों का सृजन तथा धनराशि अवमुक्त करने विषयक।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-16/नि०/आय-व्ययक/2010-11 दिनांक 01 अप्रैल, 2010 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में अनुदान संख्या-30 के अन्तर्गत अटल आदर्श ग्राम योजनान्तर्गत पशु सेवा केन्द्रों की स्थापना हेतु निम्न प्रकार अस्थायी पदों के सृजन की स्वीकृति बशर्ते कि प्रश्नगत पद बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिया जाए, दिनांक 28 फरवरी, 2011 तक चलते रहने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

क्र०सं०	पदनाम	पद संख्या	वेतनमान ग्रेड पे (रूपये में)
1	पशुधन प्रसार अधिकारी	06	5200-20200 + 2800

उक्त पदों के सृजन के अतिरिक्त चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में योजनान्तर्गत निम्नानुसार रूपया 100.00 लाख की वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए व्यय हेतु निम्नानुसार धनराशि आपके निवर्तन पर प्रादिष्ट की जाती है :-

(धनराशि हजार रुपये में)

क्र०सं०	मदनाम	अवमुक्त धनराशि
1	08-कार्यालय व्यय	09
2	09-विद्युत देयक	07
3	11-लेखन सामग्री	06
4	12-कार्यालय फर्नीचर	48
5	17-किराया, उपशुल्क, कर	10
6	26-मशीन साज सज्जा	06
7	39-औषधि रसायन	42
8	42-अन्य व्यय	06
योग		134

(रूपया एक लाख चौतीस हजार मात्र)

स्वीकृत धनराशि का व्यय निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किया जायेगा :-

- (1) स्वीकृत धनराशि का उपयोग उसी मद के अन्तर्गत किया जायेगा जिस हेतु धनराशि स्वीकृत की गई है। अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय।
- (2) उक्त धनराशि का व्यय वित्त हस्तपुस्तिका में दिये गये प्रावधानों के अन्तर्गत एवं शासन द्वारा समय-समय पर जारी मितव्ययता संबंधी आदेश व बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, स्टोर परचेज रूल्स, डी०जी०एस० एण्ड डी० अथवा टैण्डर विषयक नियमों का पालन करते हुए किया जायेगा।
- (3) धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहां कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये मितव्ययता संबंधी निर्देशों का पालन अवश्य किया जाय।
- (4) बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी०एम० 13 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।

2. उक्त धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में अनुदान संख्या-30 के लेखाशीर्षक-2403-पशुपालन आयोजनागत-00-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-02-अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेंट प्लान-0207-पशु चिकित्सालयों/पशु सेवा केन्द्रों की स्थापना (राज्य सैक्टर) के सुसंगत मानक मदों के अन्तर्गत वहन किया जायेगा।

3. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-68(P)/XXVII(4)/2010 दिनांक 26 मई, 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(विनोद फोनिया)  
सचिव

संख्या: 892 (1) / XV-1/2010 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :

1. निजी सचिव, मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
2. निजी सचिव, प्रमुख सचिव एवं आयुक्त, वन एवं ग्राम्य विकास को प्रमुख सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
3. महालेखाकार उत्तराखण्ड।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
5. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
7. समस्त मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, उत्तराखण्ड।
8. बजट राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
9. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय देहरादून।
10. वित्त अनुभाग-4/नियोजन अनुभाग।
11. मीडिया सेंटर, उत्तराखण्ड सचिवालय।
12. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(जी०बी० ओली)  
संयुक्त सचिव